उपेन्द्र तिवारी
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
जल सम्पूर्ति, भूमि विकास एवं जल संसाधन
परती भूमि विकास, वन एवं पर्यावरण
जन्तु उद्यान, उद्यान एवं सहकारिता विभाग
उत्तर प्रदेश।

18, नवीन भवन, लखनऊ
0522-2238285 (का.),
0522-2213473 (का.),

दिनांक .....

सन्देश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि जन को वन से जोड़कर वृक्षारोपण को जनान्दोलन बनाने हेतु **"वन महोत्सव"** (01 से 07 जुलाई, 2018) के अवसर पर वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

प्रदूषित पर्यावरण को शुद्ध करने में वनों व वृक्षों का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे प्रदेश में विविधता पूर्ण धरातल व जलवायु विद्यमान होने के कारण वनों व वन्य प्राणियों में विविधता दृष्टिगोचर होती है। पूर्व में आवश्यकताएं सीमित होंने व निवास वनों के समीप होने से वनों को बिना क्षति पहुॅचाए मानव की वनाधारित आवश्यकताओं की पूर्ति निकटवर्ती वनों से हो जाती थी, किन्तु कालान्तर में बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण भूमि पर पड़ने वाले जैविक दबाव में वृद्धि के परिणामस्वरूप प्राकृतिक पुनर्जनन प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ। इसके कारण वृहद स्तर पर वृक्षारोपण एवं इस हेतु समाज के प्रत्येक सदस्य का योगदान प्राप्त किया जाना आवश्यक हो गया है।

प्रदेश में वृक्षारोपण की विभिन्न योजनाएं कियान्वित की जा रही हैं। संयुक्त वन प्रबन्ध समितियों के माध्यम से स्थानीय समुदाय द्वारा ग्राम वनों का प्रबन्ध किया जा रहा है। प्रदेश के वृक्षावरण एवं कृषकों की आय में वृद्धि के लिए कृषि वानिकी, जैविक खेती, औषधीय प्रजातियों का कृषिकरण, कृषि भूमि की उत्पादकता में वृद्धि, कृषकों को खेतों की मेड़ों व खेतों में पौध लगाने के लिए अनुदान, उगाए गए वृक्षों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में आ रही समस्याओं के निराकरण हेतु नियमों में संशोधन एवं काष्ठ आधारित उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। गंगा हरीतिमा अभियान के अन्तर्गत गंगा को प्रदूषण मुक्त करने एवं गंगा के किनारों को हरा–भरा करने को जन अभियान का रूप दिया जा रहा है।

वृक्षारोपण किसी एक व्यक्ति, विभाग अथवा संस्था का कार्यक्रम न होकर प्रत्येक व्यक्ति का उत्तरदायित्व है। वन महोत्सव की भावना के अनुरूप कृषकों, विद्यार्थियों, महिलाओं सहित समस्त प्रदेशवासियों व संस्थाओं को वृक्षारोपण कार्यक्रमों से जोड़ कर प्रदेश को हरा–भरा बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है।

"वन महोत्सव" के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(उपेन्द्र तिवारी)